TRANSLATION FROM PUNJABI TO HINDI

Brickklin Plus भट्ठे की लेखा यां अन्य कार्य के लिये ऐक ही **Software** है, जिस में भट्ठे के हर काम को बहुत अच्छे तरीके से किया गया है। इस **Software** में कंपनी की और से पिछले 10 सालों से **Software** को **Update** किया जा रहा है तां जो भट्ठे का हर कार्य इसमें किया जा सके और भट्ठे के मालकों की और से दिये गये अनुदेश और भट्ठे के काम की जानकारी देने के बाद इसमें कोई भी इस तरह की रिपोर्ट, चाहे वह लेखा को लेकर हो यां भट्ठे के बाकी कार्यों को लेकर हो, तुरन्त ली जा सकती है। कहने का यह मतलब है कि **Software** भट्ठे के मालकों की और से ही बनाया गया है और उनकी हर ऐक जरूरत का हल्ल इस **Software** में है, जो कि किसी और **Software** में आसानी से नहीं हो सकता। अगर हर मालक अपने रोज़ के यां अपने दफ्तर में किसी डाटा ओपरेटर यां कर्मचारी से आधा घण्टा इस **Software** पर काम करते है, तो वह भट्ठे की हर एक जानकारी सैकिण्डों में ले सकता है, जो कि अक्सर मालक को अपने कर्मचारी से लेनी पड़ती है।

Brickklin Plus ही क्यों ?

1. **Brickklin Plus** की मदद से भट्ठे के किस **Material (**कोयला, मिट्टी आदि) की कितनी जरूरत होगी पता लगाया जा सकता है।
2. भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों के अकाउंट किसी भी समय **up to date** देखे जा सकते हैं।
3. कच्ची शराई और उत्सर्जन (निकासी) का **Round Wise** रिकार्ड रखा जा सकता है।
4. ईटों यां टाईलें जो कि बारिश के दिनों में खराब हो जाती है (जिनहें गाल यां पामाईश कहते है) का पूरा रिकार्ड रखा जा सकता है।
5. कोयले की औसत टरंकवाईज़ यां गेड़वाईज़ ली जा सकती है।
6. पक्की ईटों की किसे भी समय चक्के यां चठेवाईज़ पूरी जानकारी ली जा सकती है।

More details:-

Raw Material:- जैसे हम जानते हैं कि भट्ठे के कार्य में ईटों के बनाने के लिये कच्चे माल मिट्टी, रेत आदि हैं, जिस के बिना ईटों को बनाना संभव नहीं है और आज के दिन में किसी भी भट्ठे के नज़दीक मिट्टी यां रेत उपलब्ध नहीं होती और मिट्टी को उपलब्ध करवाने के लिये हर ऐक मालक को मिट्टी दूर से लानी पड़ती है और इस कार्य के लिये हर एक मालक को उढाई गई मिट्टी का रिकार्ड रखना पड़ता है जो कि **Brickklin Plus** में बहुत आसानी से रखा जा सकता है।

Pather:- भट्ठे के कार्य में पत्थेर का मुख्य कार्य है मतलब ईटों यां टाईलों के बनाने का यह कार्य पत्थेरों द्वारा किया जाता है। इस लिये हर एक पत्थेरे किसी ना किसी जमादार के अधीन कार्य करते हैं। इस **Software** में कार्य करने के बाद हम एक मौसम में कितनी ईटों यां टाईलें किस-किस पत्थरें ने बनाई है, का रिकार्ड ले सकते हैं। इस लिये इस **Software** में मुन्शी द्वारा लाई गई डेली (किस पत्थेरे ने कितनी ईंट बनाई है) इनपुट की जाती है, जिस के साथ प्रतिदिन का रिकार्ड बनता रहता है।

Pamayash (Gall):- इस में अलग-अलग जगह से बारिश के कारण पूरी तरह खराब होई ईंटें यां टाईलों का रिकार्ड रखा जाता है जिस को अक्सर 'गाल' यां 'पामाईश' के नाम से जाना जाता है और मुन्शी द्वारा पामाईश की हूई ईट की गिनती के हिसाब से पत्थेरों को ईटें दी जाती है और अगर पामाईश की गई ईटें यां टायलों में से हम ईटें उढ़ाते है तो हम अंत में देख सकते हैं कि हमारी कुल कितना (खराबा) हूआ है।

Jalayee:- भट्ठे के कार्य में जलाई के कार्य की बहुत महत्ता है क्योंकि बनाई गईं कच्ची ईटों को जलाई द्वारा पकाया जाता है और जलाई के लिये इस्तेमाल किया गया ईंधण जैसे कि कोयला बहुत महंगा होता है इस लिये **Brickklin Plus** द्वारा हम कोयले यां अन्य इधण की खपत का रिकार्ड रख सकते हैं इस के ईलावा हम **Software** द्वारा तुरन्त टरक्क यां पूरे गेड़ में क्या औस्त आई है ले सकते हैं।

Nikasi:- भट्ठे में पकाई गई ईट को बाहर निकालने के कार्य को निकासी कहते है। यह कार्य निकासी जमादार को दिया जाता है जिस में उस द्वारा लगाई गई लेबर निकासी करती है। निकासी के द्वारा निकाली गई ईटों का वरगीकरण किया जाता है जिस में अलग-अलग तरह की ईटों को अलग-अलग चठियों यां चक्कियों मे लगाया जाता है। इसके साथ एक दिन में निकाली गई कुल ईटों के आधार पर भट्ठे में ईटों का स्टाक बढ़ता रहता है। **Brickklin Plus** के द्वारा अलग-अलग तरह की ईटों की परसैंटऐज़ निकाली जा सकती है और हम प्रतिदिन **Round Wise** यां पूरे सीज़न में पता लगा सकते है, क्या ऐवरेज निकली है।

Sale:- निकासी द्वारा निकाली गई ईटों को बेचा जाता है, जिस द्वारा बेची गई ईटों को **Software** द्वारा किस को उधार यां नकद सेल हूई है का पूरा रिकार्ड रख सकते हैं, जिस के साथ भट्ठे पर पक्की ईटों का स्टाक आसानी के साथ पता किया जा सकता है। इसके ईलावा डीलरों को बेची गई ईटों का रिकार्ड ट्रैक्टरों की ऐवरेज़ और किस ट्रैक्टर द्वारा कितनी ईटें ढोई गई है, का रिकार्ड पता किया जा सकता है।

Purchase:- भट्ठे के व्यपार में हम जो भी आईटम की खरीद करते हैं उस की ऐन्ट्री **Software** में की जा सकती है और जिसके साथ पार्टी के अकाउंट, प्रचेज़ की हूई **Item**, का स्टाक रखा जा सकता है।

Kachi Bharayi:- पत्थेरों द्वारा बनाई गई ईटों यां टाईलों को पत्थेरों में से भट्ठे के अन्दर यां स्टाक में लगाने के तरीके को कच्ची भराई कहते हैं। यह कार्य कच्ची भराई का काम जमादार की और से करवाया जाता है। जिस में जमादार की अपनी लेबर होती हो, जिनसे वह ट्रालीयां यां रेहड़ियों के साथ कच्ची भराई का कार्य करता है, इस **Software** के साथ ऐक गेड़े में कितने पावे यां लाईनों की भराई हूई है यां पूरे सीज़न में कितने गेड़े यां कुल भराई हुई है, की जानकारी ले सकते हैं।